आशा शर्मा के काव्य संग्रह “अनकहे स्वप्न” का लोकार्पण एवं “खरी-खरी” का आयोजन

बीकानेर। यहाँ साहित्य-संस्कृति कला संगम एवं बीकाणा आई टी आई कॉलेज के संयुक्त तत्वावधान में वेटेरनरी ऑडीटोरियम में कवयित्री इंजी. श्रीमती आशा शर्मा की प्रथम काव्य कृति ““अनकहे स्वप्न”” का लोकार्पण किया गया. कार्यक्रम में काव्य कृति की रचनाओं पर चर्चा के साथ रचियता आशा शर्मा का सम्मान किया गया.

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त सुप्रसिद्ध साहित्यकार एवं व्यंग्यचित्रकार श्री किशोर श्रीवास्तव ने “अनकहे स्वप्न”” को जीवन के विविध रंगों से सरोबर कविताओं में नारी की सशक्त अभिव्यक्ति का बेहतरीन चित्रण बताया. समारोह की अध्यक्षता करते हुए वरिष्ठ साहित्यकार श्री भवानी शंकर व्यास “विनोद” ने आशा शर्मा की कविताओं में चुनौतियों से जूझने का जज्बा बताया. विशिष्ट अतिथि कवि कथाकार श्री कमल रंगा ने आशा शर्मा की कविताओं को पारिवारिक एवं आत्मीय भाव से ओतप्रोत बताया. मुख्य वक्ता डॉ. उषाकिरण सोनी ने कहा कि आशा शर्मा की कवितायेँ सामाजिक विद्रूपताओं पर कुठाराघात करती हैं. इस अवसर पर शायर कथाकार श्री कासिम बीकानेरी तथा डॉ. कृष्णा आचार्य ने पत्र वाचन किया. और कवयित्री आशा शर्मा ने, ““रखा है पहला पाँव अभी मंजिल को पाना बाकी है, अभी खोले हैं पंख जरा आकाश नापना बाकी है..” सहित अपनी अनेक रचनाओं का पाठ किया. अतिथियों का स्वागत इंजी. गोवेर्धन लाल चौमल एवं सफल मंच संचालन श्री संजय पुरोहित ने किया.

इस अवसर पर दिल्ली से पधारे और विमोचन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री किशोर श्रीवास्तव की जन चेतना कार्टून पोस्टर प्रदर्शनी “खरी-खरी” का आयोजन भी किया गया, जिसका उद्घाटन वरिष्ठ साहित्यकार लक्ष्मी नारायण रंगा ने किया. प्रदर्शनी को अपार जन समूह का सानिध्य और सराहना मिली.